**Sixteenth Loksabha**

an>

title: Regarding recent attack on CRPF training centre in Pulwana killing 5 security personnel of CRPF.

**श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया :** माननीय अध्यक्ष जी, 2017 के आखिरी दिन जब देश की जनता एक तरफ जश्न मना रही थी, वहीं दूसरी तरफ एक बहुत दुखद घटना हुई है, जिसका उल्लेख आज आपने भी श्रद्धांजलि वक्तव्य में किया है। पुलवामा में पाकिस्तानी स्पोंसर्ड आतंकवादियों ने सीआरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र पर हमला किया। उस हमले में पांच जवानों ने अपनी जान की आहूति देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए दी। तीन आतंकवादी, जिन्होंने हमला किया था, उनको भी वहां मार डाला, यह जवानों का शौर्य का विऐाय भी है।

लेकिन हम इस सदन में यह चिंता व्यक्त करना चाहेंगे कि जहां एक तरफ हमारा आर्मी का जवान देश की रक्षा के लिए अपने जीवन की आहूति देता है, वहीं दूसरी तरफ यह सरकार उनके प्रति और उनकी सुरक्षा के प्रति गंभीर नज़र नहीं आती। पिछले तीन वऐाॉ में इतनी घटनाएं हो गयी हैं, चाहे ऊरी, पंपोर, पठानकोट या उधमपुर हो। इस संबंध में कई समितियां भी गठित की गयी हैं, लेकिन वही एक के बाद एक गलती इस सरकार द्वारा दोहराई जाती है। पिछले वऐाऩ पुलवामा में अगस्त माह में एक हमला हो चुका है, जिसमें हमारे आठ सैनिक शहीद हुए थे। अक्टूबर की पहली तारीख में बीएसएफ की बटालियन पर हमला हुआ, जिसमें हमारे एक सैनिक ने अपनी शहादत दी। वहीं प्रदेश के पुलिस ऑफिसर श्री एस.पी. वैद्य को जानकारी दी गयी कि खुफिया जानकारी के अनुसार यहां घटना घटने वाली है। वहां 130 एकड़ में चार किलोमीटर का पेरीमीटर वॉल है, तो मैं पूछना चाहता हूं कि आतंकवादी कैसे घुस पाये? जहां से वे घुसे हैं, वहां फ्लड लाइट नहीं लगी हुई थी। जहां से वे घुसे हैं, वहां तीन सौ मीटर तक सैनिक तादाद नहीं है। लेफि. जनरल फिलिप कंपोज की रिपोर्ट भी आयी है, जिस पर इस सरकार ने आज तक कोई कदम नहीं उठाया और दिन-प्रतिदिन हमारे सैनिक इस देश के लिए अपनी शहादत देते जा रहे हैं। यह सरकार की केवल लापरवाही ही नहीं है, बल्कि भाजपा के एक सांसद श्री नेपाल सिंह जी कहते हैं कि "जवानों को तो जान देनी ही होगी और यह कोई नयी चीज नहीं है।" ...(व्यवधान) अगर यह शर्म की बात नहीं है तो और क्या है? ...(व्यवधान) गांव के झगड़े के साथ हमारी सैनिकों की शहादत को यह तुलनात्मक दृऐिटकोण से देखते हैं। मैं इनसे पूछना चाहता हूं, जिन्होंने वक्तव्य दिया था कि हम पाकिस्तान को लाल आंख दिखायेंगे, एक सिर के बदले हम दस सिर लेकर आयेंगे, हम मुंह तोड़ जवाब लेंगे, कि आज ये लोग चुप्पी क्यों साधे हुए हैं?...(व्यवधान) देश के प्रधान मंत्री जी द्वारा भी इस घटना में एक भी टिप्पणी नहीं, एक भी वक्तव्य नही दिया गया। हम पूछना चाहते हैं कि यह कब तक चलता रहेगा? पिछले एक वऐाऩ में हमारे क्षेत्र में 82 सैनिकों ने अपनी जान दी है। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आपकी बात पूरी हो गयी है।

…(<u>व्यवधान</u>)

**श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया:** पिछले तीन वऐाॉ में 119 सैनिकों ने अपनी शहादत दी है। हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि खुफिया तंत्र के आधार पर इन्होंने सुरक्षा बल क्यों नहीं तैनात किया? हम पूछना चाहते हैं कि पाकिस्तान के प्रति इनकी क्या नीति है, क्योंकि इनके राऐट्रीय सलाहकार बैंकॉक में जाकर पाकिस्तान के राऐट्रीय सलाहकार के साथ मिलते हैं। ...(व्यवधान) जबकि कुलभूऐाण जाधव के साथ ऐसा व्यवहार होता है, हमारे सैनिकों के साथ ऐसा व्यवहार होता है, वहीं हमारे एनएसए उनके एनएसए के साथ मिल रहे हैं। ...(व्यवधान) यह क्या विदेश

नीति है, यह हम समझ नहीं पाते हैं। हमें इसका स्पऐटीकरण चाहिए। हम भाजपा द्वारा, सरकार द्वारा माफी चाहते हैं। इनके सांसद ने हमारे जवानों के बारे में टिप्पणी की है, उसके लिए हम सरकार द्वारा माफी चाहते हैं।

**माननीय अध्यक्ष :**

श्री मुल्लापल्ली रामचद्रन को श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया द्वारा उठाए गए विऐाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

**रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार):** अध्यक्ष महोदया, माननीय ज्योतिरादित्य जी और कांग्रेस पार्टी कृपया ऐसे विऐायों में राजनीति न करें। ...(व्यवधान) क्योंकि वहां पुलवामा में हमारे सैनिक शहीद हुए हैं। ...(व्यवधान)

**श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया :** यह राजनीति की बात नहीं है। ...(व्यवधान) यह देश की सुरक्षा की बात है। ...(व्यवधान) प्रधान मंत्री जी इस बारे में टिप्पणी दें। ...(व्यवधान)

**श्री अनन्तकुमार :** पुलवामा में हमारे जो सैनिक शहीद हुए हैं, उस बारे में पूरे देश में गहरा शोक है। हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** अब आप कुछ भी नहीं बोलेंगे। बहुत सालों तक सब सरकार में रहे हैं।

…(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** मुलायम सिंह जी, आप भी डिफेंस मिनिस्टर रहे हैं। कृपया आप बैठ जाइये।

…(व्यवधान)

**श्री अनन्तकुमार :** हमने घुसपैठ करने वाले तीन आतंकवादियों को मार गिराया है और पिछले एक साल में 200 से ज्यादा आतंकवादियों को भारत की फौज ने मार गिराया है। ...(व्यवधान) मैं आपसे इतना ही निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे गृह राज्य मंत्री हंसराज अहीर जी यहां मौजूद हैं, वे इस बारे में आपको पूरा विवरण देंगे। ...(व्यवधान)

**श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया :** आपके सांसद ने बहुत शर्मनाक टिप्पणी दी। ...(व्यवधान) उन्होंने कहा कि ऐसी चीजें होती हैं। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** ज्योतिरादित्य जी, आप क्यों चिल्ला रहे हैं?

…(व्यवधान)

**श्री अनन्तकुमार :** अध्यक्ष महोदया, ज्योतिरादित्य जी इसमें राजनीति करना चाहते हैं, लेकिन हम राजनीति नहीं करना चाहते, इसलिए जो हकीकत है ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** ज्योतिरादित्य जी, आज क्या बात हो गयी?

…(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** इस प्रकार से प्रोसीडिंग्स में कुछ नहीं जायेगा।

…(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप बार-बार क्यों खड़े होकर बोल रहे हैं? मैंने आपको बोलने के लिए एलाऊ किया था। अब क्या हो गया है?

…(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** ऐसा नहीं होता है। यह कोई आज की बात नहीं है। आप इस तरह मत बोलिए।

…(व्यवधान)

**श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया:** अध्यक्ष महोदया, यह कह रहे हैं कि हम राजनीति कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** यह कोई आज की बात नहीं है।

…(व्यवधान)

**श्री अनन्तकुमार:** आप कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** इस पर राजनीति एलाउड नहीं है। यह कोई नई बात नहीं है। प्लीज आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record. Only Minister's statement will go on record.

*... (Interruptions) ... **

**श्री अनन्तकुमार:** मैडम, जीरो आवर के मेंशन में वह डिबेट शुरू करना चाहते हैं। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

*... (Interruptions) ...* *

**श्री अनन्तकुमार:** मैडम, यदि किसी को इस जंग का श्रेय देना चाहिए, पूरे देश को सलाम करना चाहिए, हमारे शहीदों को करना चाहिए, हमारे फौजियों को करना चाहिए और हमारे वीर जवानों को इसका श्रेय देना चाहिए।

नरेद्र भाई मोदी जी के नेतृत्व में पिछले साढ़े तीन सालों में सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर, सरहद की सुरक्षा के लिए भारत सरकार ने हर तरह से कोशिश की है। मैं निवेदन करता हूं कि माननीय मंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर जी को आप बोलने की इजाजत दें। ...(व्यवधान)

**गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हंसराज गंगाराम अहीर):** अध्यक्ष महोदया, सम्मानित सदस्य श्री सिंधिया जी ने जो मामला उठाया है, कल जो घटना हुई है, उससे पूरे देश में शोक है। हम भी आपकी बात से सहमत हैं। ... (व्यवधान) यह दुखद भी है और हम लोगों के लिए चैलेंज भी है। इस चैलेंज को स्वीकार करते हुए, सरकार कार्रवाई करती है और आगे भी करेगी, लेकिन मैं इस घटना के बारे में आपके माध्यम से सभागृह को बताना चाहता हूं। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदया, 31 दिसम्बर, 2017 की सुबह लगभग 3.35 बजे, भारी मात्रा में आधुनिक हथियारों से लैस तीन आतंकियों ने लेतपुरा, पुलवामा स्थित केद्रीय रिजर्व पुलिस बल के ग्रुप सेंटर, 185 बटालियन पर हमला किया। आतंकी गोलियां चलाते हुए, ग्रेनेड फेंक कर, शिविर में प्रशासनिक ब्लॉक में दाखिल हो गए थे और शुरूआती फायरिंग में सीआरपीएफ के करीब तीन जवानों को गोलियां लगीं, जिनके नाम हैं - सिपाही शरीफ अहमद गनी, सिपाही नरेद्र कुमार जी और सिपाही मनीम समादान। इनमें से सिपाही शरीफ अहमद गनी उसी वक्त शहीद हो गए थे और घटना की खबर मिलने के तुरन्त बाद आर्मी की 50 आरआर एवं एसओजीसी टुकड़ियां वहां पहुंच गई थीं और एनकाउण्टर शुरू हो गया था। जवाबी कार्रवाई के दौरान सीआरपीएफ के तीन अन्य जवान- हवलदार तुफैल अहमद, सिपाही राजेद्र नयन और सिपाही डी.के. पण्डया भी शहीद हो गए थे। अन्य घायल जवानों को बादामी बाग स्थित आर्मी के 92 बेस अस्पताल में दाखिल किया गया है। इसी कार्रवाई के दौरान निरीक्षक कुलदीप राय जी का दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन होने की पुष्टि हुई है। सुरक्षा बलों की कार्रवाई के दौरान दो आतंकवादी मारे गए, जिनके शिनाख्त फरदीन खण्डे और मंजूर अहमद बाबा के रूप में की गयी है।... (व्यवधान)

HON. SPEAKER: Only Minister's statement will go on record.

*... (Interruptions) ...*

**श्री हंसराज गंगाराम अहीर:** अध्यक्ष महोदया, एक जनवरी, 2018 को दोबारा शुरू किए गए तलाशी अभियान के दौरान एक अन्य छिपे हुए आतंकवादी ने सुरक्षा बलों पर गोली चलाई, जवाब कार्रवाई में उसे भी ढेर कर दिया गया है। ...(व्यवधान) इस आतंकवादी की शिनाख्त की जा रही है। इस हमले में तीन सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गए हैं। इस कार्रवाई के दौरान पुलवामा स्थित केद्रीय रिजर्व पुलिस बल के ग्रुप केद्र के प्रशासनिक भवन को कुछ आंशिक नुकसान हुआ है और इस मामले में एफआईआर संख्या 150/2017 दर्ज की गई है। ...(व्यवधान) इसमें जो चार्जेज लगे हैं - सेक्शन 302, 307 (आरपीसी), 7/271ए एसीटी...(व्यवधान) यह मामला अवंतिपुरा पुलिस स्टेशन में रजिस्टर्ड हुआ है।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप अपनी बात पूर्ण कीजिए।

…(व्यवधान)

**श्री हंसराज गंगाराम अहीर:** अध्यक्ष महोदया, मुझे इस घटना के बारे में यही कहना है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, आपकी अनुमति से मैं बताना चाहता हूं कि यह जो घटना हुई है, आपने पूछा था कि सुरक्षा के बारे एक कमेटी बनी थी - जनरल फिलिप कैम्पोज कमेटी। उसकी रिपोर्ट आई है। उसमें सुरक्षा के लिए जो हमारे कैम्प्स हैं, उनकी सुरक्षा के लिए जो करना है, उसके बारे में पूरी रिपोर्ट आई है, रक्षा मंत्रालय भी उस पर काम कर रहा है। ...(व्यवधान) अभी मैंने कुछ समय पहले यहां पुलिस मॉडर्नाइजेशन के बारे में बात कही थी, तब मैंने जम्मू-कश्मीर का भी उल्लेख किया था। उसके लिए जो फण्ड दिया गया है, उससे वहां आधुनिकीकरण होगा।

वहां पर उसका सिक्योरिटी ऑडिट करके, आवश्यक सिक्योरिटी के जो नये-नये उपकरण हैं, उन सबकी व्यवस्था की जा रही है। इसमें सीसीटीवी से लेकर डिटैक्शन सिस्टम को भी सरकार वहां लागू करने जा रही है। ...(व्यवधान) लेकिन मैं आपकी अनुमति से बताना चाहता हूं कि जब से हमारे प्रधान मंत्री नरेद्र मोदी जी की सरकार आई है, रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने इस पर काफी काम किया है। ...(व्यवधान) मैं इतना ही बताना चाहता हूं कि वऐान 2010 से लेकर 2013 तक 1218 आतंकवादी घटनाएं घटी थीं। अभी 2014 से लेकर 2017 तक इन घटनाओं में कमी आकर 1094 घटनाएं घटी हैं। ...(व्यवधान)

साथ ही वऐान 2010 से लेकर 2013 तक आतंकवादी घटनाओं में 108 नागरिक मारे गये थे। लेकिन जब से मोदी जी की सरकार आई है, 2014 से लेकर 2017 तक 100 नागरिकों की मृत्यु हुई है। इस संख्या में कमी आई है। ...(व्यवधान)

इसके साथ ही मैं यह भी बताना चाहूंगा कि हमारी सेना और सुरक्षा बलों के द्वारा जो आतंकवादियों का मुकाबला किया जाता है, इसमें वऐान 2010 से लेकर 2013 तक 471 आतंकवादी मारे गये थे और अभी वऐान 2014 से लेकर 2017 तक 580 आतंकवादियों को ढ़ेर कर दिया गया है। ...(व्यवधान) यह सरकार की एक उपलब्धि है। सरकार आतंकवादियों के साथ लड़ने में कोई कमी नहीं रखती है और सारे उपकरण और आधुनिकीकरण के लिए सरकार कटिबद्ध है। सरकार उस दिशा में काम कर रही है। ...(व्यवधान)

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) :** माननीय अध्यक्ष जी, ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** नहीं, अभी कुछ नहीं। बैठिए।

…(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आपने बोल लिया, उनको बोलने का अवसर दे दिया। दोबारा नहीं। अब कुछ नहीं। बैठिए।

...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** केवल सौगत राय जी की बात रिकार्ड में जाएगी।

...(व्यवधान)